अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	एक सबक ऐसा भी (चित्रकथा)	5
1.	भारतवर्ष हमारा है! (कविता)	7
2.	अर्जुन और किरात (प्राचीन कथा)	13
3.	समझदार लोमड़ी (कहानी)	19
4.	प्रिटोरिया जेल से (पत्र)	25
5.	चाँद का कुरता (कविता)	31
6.	ईमानदारी का परिचय (एकांकी)	37
7.	भारत में हॉकी (निबंध)	43
8.	मुक्ति की आकांक्षा (कविता)	49
9.	लाला लाजपत राय (जीवनी)	55
10.	पंच का न्याय (कहानी)	61
11.	मेरी पहली हिमाचल यात्रा (यात्रा-वृतांत)	68
12.	'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' (कविता)	74
13.	बुद्धि का सौदागर (कहानी)	79
14.	पश्चाताप (लेख)	85
15.	हमारे त्योहार : हमारा स्वाभिमान (लोककथा)	91
16.	हार की जीत (कहानी)	97
17.	पर्यावरण प्रदूषण (निबंध)	103
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-1	109
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-2	111

EDITION INTERNATIONAL

एक सबक ऐसा भी
(चित्रकथा)

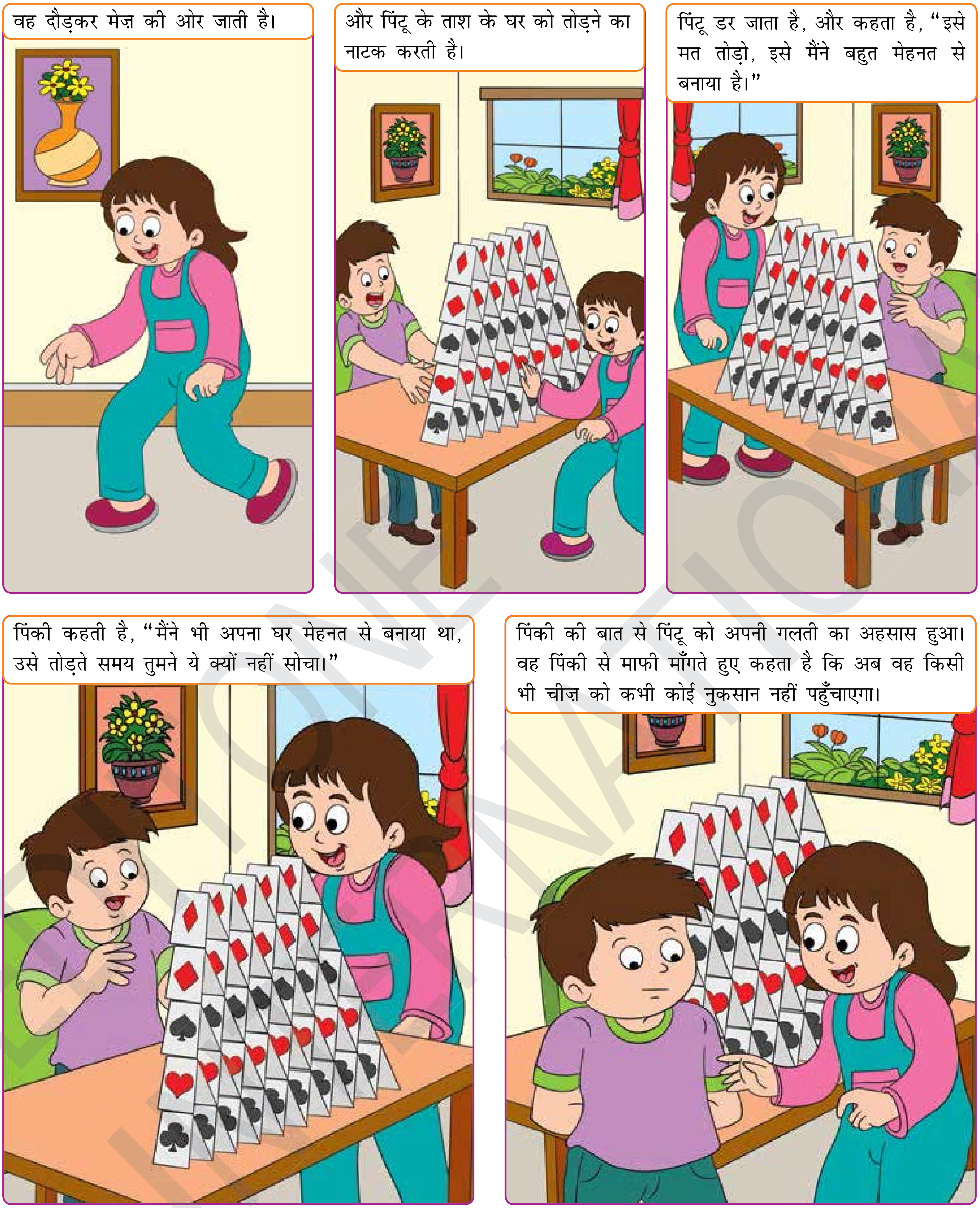

शिक्षा: हमें किसी के उत्साह को कम नहीं करना चाहिए बल्कि लोगों को प्रोत्साहित करना अच्छी बात होती है।

अध्याय 1

भारतवर्ष हमारा है!
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

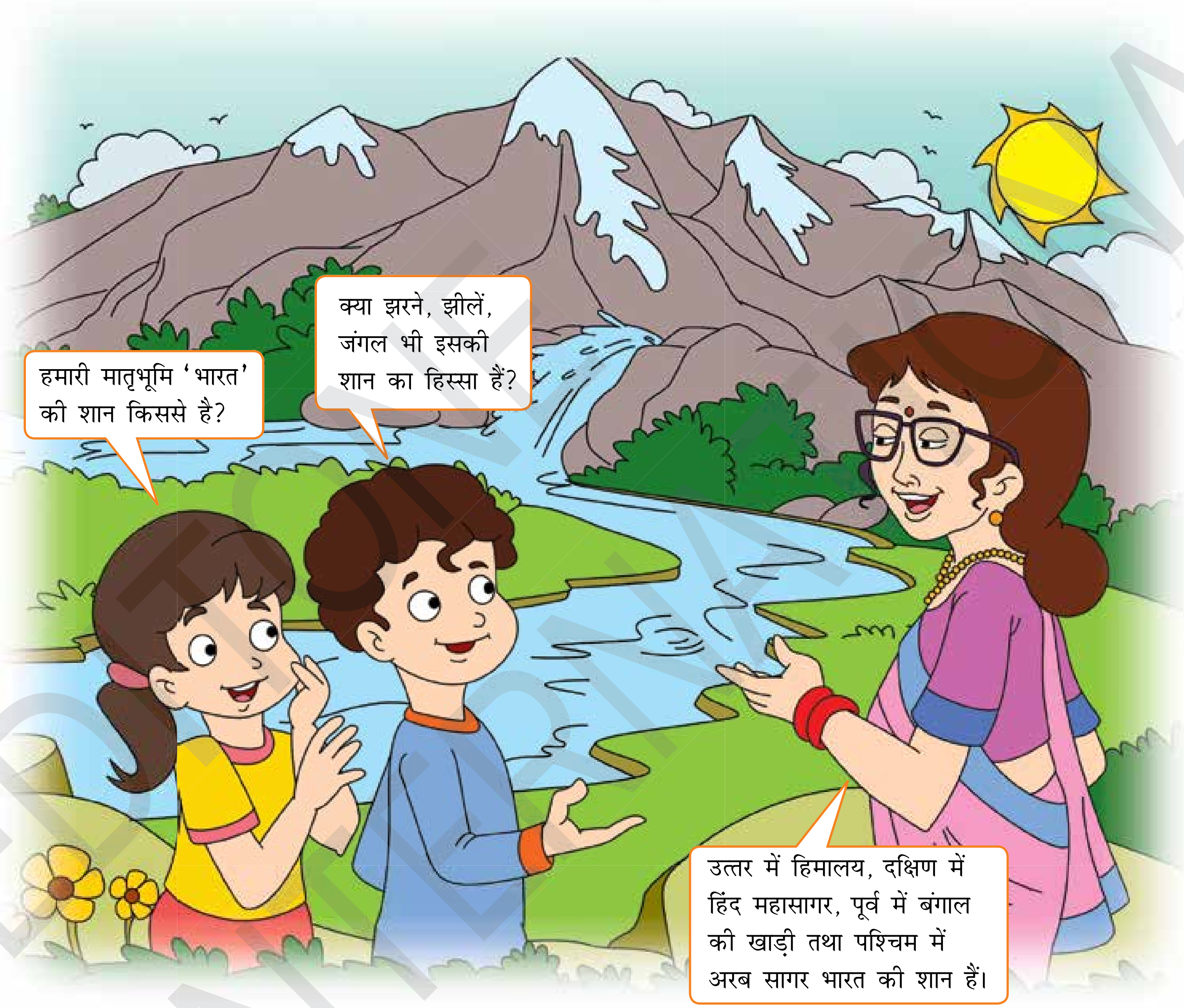

कविता का मूल तत्व

अपनी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए हमें निःसंकोच होकर सदैव तत्पर रहना चाहिए।

यह भारतवर्ष हमारा है,
हमको प्राणों से प्यारा है।
है यहाँ हिमालय खड़ा हुआ,
संतरी–सरीखा अड़ा हुआ।

गंगा की निर्मल धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

क्या ही पहाड़ियाँ हैं न्यारी,
जिसमें सुंदर झरने झारी।
शोभा में सबसे न्यारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।।

है हवा मनोहर डोल रही,
वन में कोयल है बोल रही।
बहती सुगंध की धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।।

तन-मन-धन प्राण चढ़ाएँगे,
हम इसका मान बढ़ाएँगे।
जग का सौभाग्य हमारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।।

-सोहनलाल द्विवेदी

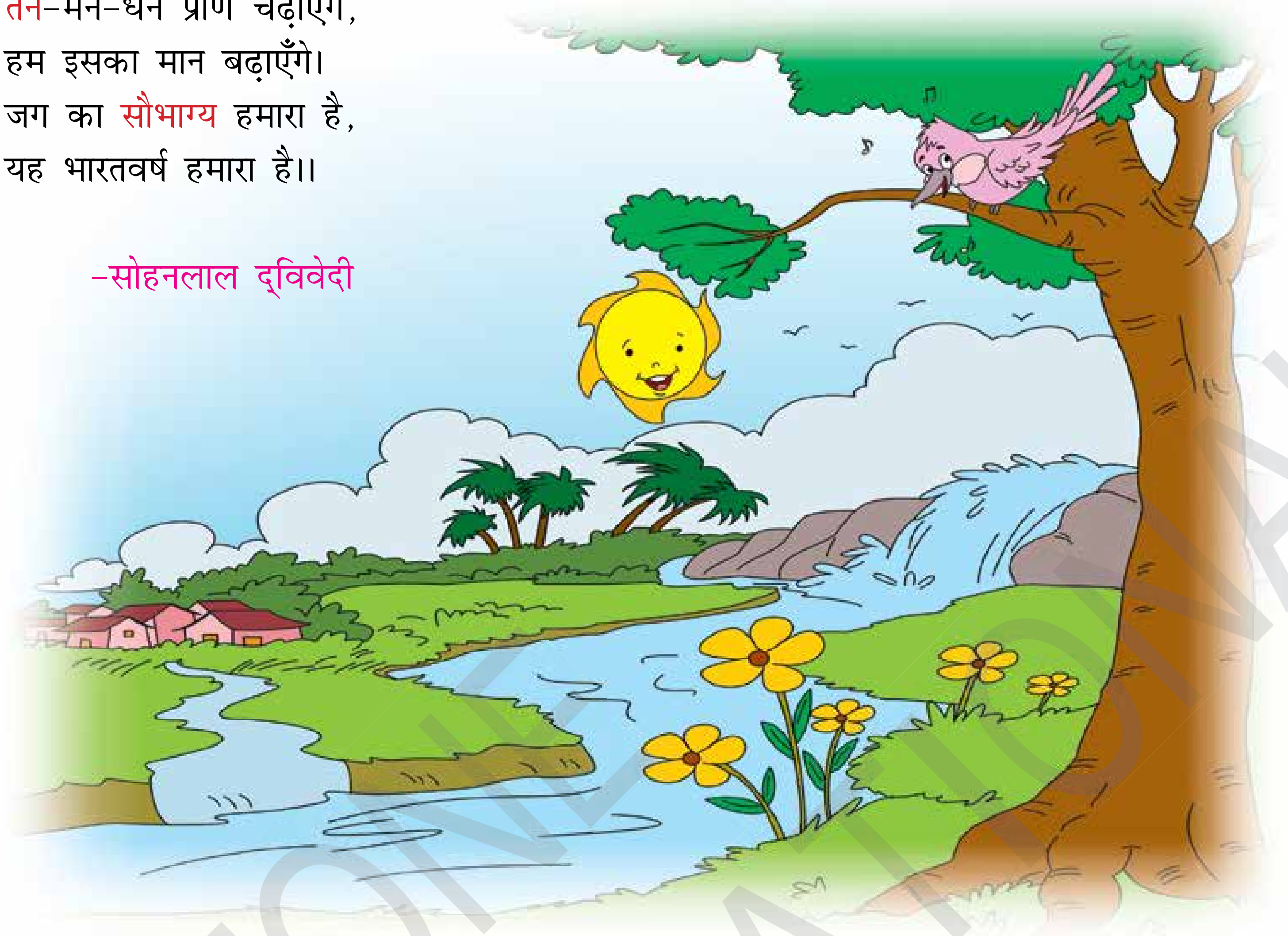

शब्दार्थ

संतरी	=	रखवाला/पहरेदार	सरीखा	=	जैसे
निर्मल	=	साफ-सुथरी	शोभा	=	सुंदरता
तन	=	शरीर	सौभाग्य	=	किस्मत

उच्चारण करें

पहाड़ियाँ प्राणों सुगंध मनोहर सितारा

शिक्षण संकेत-

कविता के माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को अपनी मातृभूमि से प्रेम करने की प्रेरणा दें, साथ ही भारत देश में मौजूद प्राकृतिक तत्वों के संबंध में जानकारी प्रदान करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बताइए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भारतवर्ष किसका है?

(ख) भारत की शोभा कैसी है?

(ग) भारत का पहरेदार कौन है?

(घ) भारत में मनोहर क्या है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भारत का मान बढ़ाने के लिए हम क्या करेंगे?

....

(ख) संतरी के समान भारत के उत्तर दिशा में कौन खड़ा है?

....

(ग) कवि के कथनानुसार भारत अनोखी सुंदरता वाला देश क्यों है?

....

(घ) प्रस्तुत कविता के लेखक कौन हैं?

....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) शोभा में सबसे न्यारा किसे माना गया है?

☐ अमेरिका को ☐ भारतवर्ष को ☐ हमको ☐ इन सभी को

(ख) कविता के रचयिता कौन हैं?

☐ रामधारी सिंह दिनकर ☐ सोहनलाल द्विवेदी

☐ हरिवंशराय बच्चन ☐ सुभद्राकुमारी चौहान

(ग) भारतवर्ष का हम क्या बढ़ाएँगे?

☐ मान ☐ ज्ञान ☐ ध्यान ☐ ईमान

(घ) भारतवर्ष में बहती धारा कैसी है?

- ☐ निर्मल और सुगंधित
- ☐ दुर्गंध और कठोर
- ☐ मटमैली और धीमी
- ☐ सुगंधित और पंकयुक्त

4. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

बढ़ाएँगे निर्मल प्राण शोभा

(क) तन-मन-धन .... चढ़ाएँगे।

(ख) .... में सबसे न्यारा है।

(ग) गंगा की .... धारा है।

(घ) हम इसका मान ....।

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. यदि भारतवर्ष की सुरक्षा हेतु 'हिमालय' पहरेदार की तरह न अड़ा-खड़ा रहता तो हमें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता? कक्षा में चर्चा करते हुए इस विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. दिए गए शब्दों को पहचानते हुए रिक्त वर्ण भरिए।

(क) सुं + ... र + ता (ख) सु + गं + ...

(ग) सं + त + ... (घ) म + ... + ह + ...

7. समान तुक वाले शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए।

(क) शिवालय – .... (ख) चढ़ाएँगे – ....

(ग) प्यारा – .... (घ) आरी – ....

8. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) धन – ....

(ख) शोभा – ....

(ग) झरना – ....

EDITIONE INTERNATIONAL

9. दी गई पंक्तियों में क्रिया शब्द पर (◯) बनाइए।

हवा मनोहर डोल रही,

वन में कोयल बोल रही।

बहती सुगंध की धारा है,

यह भारतवर्ष हमारा है।

10. दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) हिमालय – .... (ख) निर्मल – ....

(ग) मनोहर – .... (घ) भारतवर्ष – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

11. भारत में अनेक प्रकार की विभिन्नताएँ हैं। कक्षा में चर्चा करते हुए यह जानने का प्रयास कीजिए कि विभिन्नता में एकता भारत में कैसे कायम है?

12. भारत की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए और लिखिए।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

13. भारत का क्षेत्रफल बताइए-

(क) उत्तर से दक्षिण तक- ....

(ख) पश्चिम से पूर्व तक- ....

14. पर्वतों की रानी किस चोटी का नाम है?

....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Question

15. भारतवर्ष अनेक विभिन्नताओं को समेटे हुए भी अपने आप में विशाल एवं विशेष है। आप भारतवर्ष की किन विशेषताओं को अपने जीवन में अपनाना चाहेंगे? बताइए।

अध्याय 2

अर्जुन और किरात
(प्राचीन कथा)

अध्ययन से पूर्व

- बच्चों को चित्र के माध्यम से बताएँ कि तीनों ही धनुर्धर थे। परंतु तीनों में कुछ अलग-अलग विशेषताएँ थीं। विचारों के आदान-प्रदान द्वारा मूल बात को बताएँ।

प्राचीन कथा का मूल तत्व

किसी को कभी भी तुच्छ या कमज़ोर नहीं समझना चाहिए क्योंकि शक्तिशाली वही होता है जो दूसरों पर निज स्वार्थ हेतु किसी भी प्रकार का बल प्रयोग नहीं करता।

अपने वनवास काल के दौरान सभी पांडव अपनी ताकत को बढ़ाने में लगे हुए थे तो दूसरी तरफ़ अर्जुन भी पशुपति नामक अधिक शक्तिशाली दिव्यास्त्र लिए भगवान शिव की तपस्या में लीन रहने लगे। एक दिन वे हर रोज़ की तरह तपस्या में लीन थे कि तभी उसी क्षण एक भयानक शूकर गरजता हुआ वहाँ आ पहुँचा। उसे देख अर्जुन का ध्यान भंग हो गया और उन्होंने शूकर पर अपना बाण चला दिया। अर्जुन के दो तीर उसके शरीर के आर-पार हो गए। अर्जुन जैसे ही तीर निकालने के लिए बढ़े कि इतने में एक ज़ोरदार आवाज़ ने उन्हें रोक दिया। ''सावधान तपस्वी, यह मेरा शिकार है।'' अर्जुन ने देखा कि एक जंगली किरात धनुष-बाण लिए दौड़ा चला आ रहा है। ऊँचा, लंबा शरीर, चौड़े कंधे, माथे पर जंगली फूलों की बेल और शरीर पर मृगचर्म था। अर्जुन ने कहा, ''ये मेरा शिकार है, मैंने इसे मारा है इसलिए मैं इसे नहीं छोड़ सकता।''

अर्जुन की बात सुनकर किरात क्रोध में आ गया। उसने अपना धनुष बनाया और कहा, "यदि तुम हठ नहीं छोड़ोगे तो तुम्हें मुझसे युद्ध करना पड़ेगा।"

अर्जुन ने कहा, ''तो फिर विलंब किस बात का, यह शिकार किसका है? इसका निर्णय अब युद्ध ही करेगा।'' देखते-देखते दोनों के मध्य भीषण युद्ध आरंभ हो गया। बाण पर बाण बरसते रहे लेकिन कोई भी बाण किसी को छू भी नहीं पाया। किरात की फुर्ती देखकर अर्जुन के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। अर्जुन मन-ही-मन सोचने लगे कि यह साधारण धनुर्धर नहीं है जिससे लड़ने के लिए मुझे अपनी संपूर्ण विद्या का यूँ प्रयोग करना पड़ रहा है। घंटों युद्ध चलता रहा। अर्जुन का शरीर थकान से टूटने लगा। उन्होंने किरात से कहा, ''बाण युद्ध छोड़ो, अब मल्ल युद्ध को आओ।'' अर्जुन की बात किरात ने स्वीकार कर मल्ल युद्ध आरंभ किया। दोनों एक-दूसरे को मल्ल युद्ध में पटकनी देते रहे, मगर हार किसी ने भी स्वीकार नहीं की। वह सोचने लगे साधारण मनुष्य और इतना शक्तिशाली। तभी अर्जुन की नज़र अपने हाथों से बनाए शिवलिंग पर पड़ी तो वे बोले, "हे किरात! तुमसे युद्ध करने में बड़ा आनंद आया, लेकिन ज़रा ठहरो, मैं पहले भगवान शंकर की पूजा कर लूँ, फिर तुमसे युद्ध करता हूँ।"

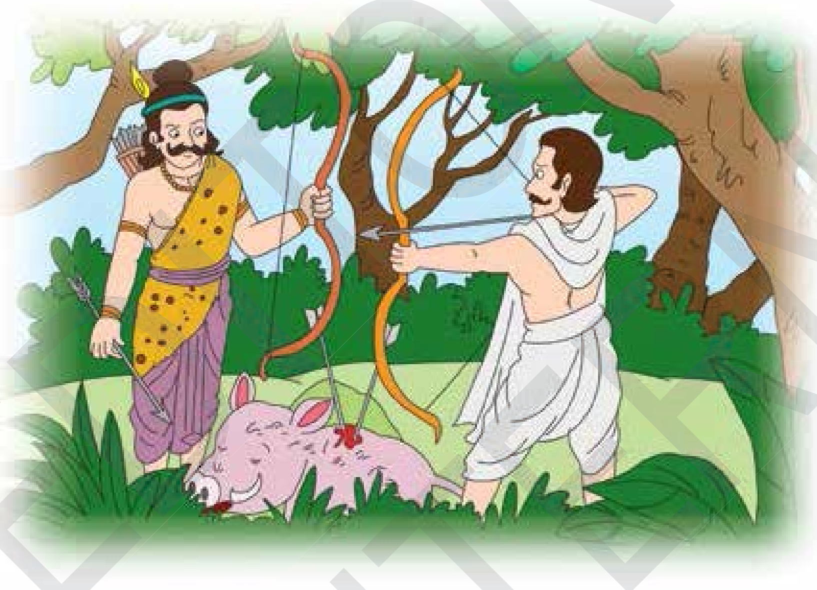

अर्जुन की बात सुनकर भगवान शंकर मन-ही-मन, सोचने लगे अरे! यह क्या? ये तो मेरी ही पूजा में व्यस्त हो गया।

अर्जुन शिवलिंग पर जो भी पत्र-पुष्प चढ़ाते, वे जाकर स्वयंमेव किरात के ऊपर गिरने लगते। अर्जुन को कुछ भी समझते देर न लगी। वह हाथ जोड़कर किरात के आगे खड़े हो गए, "आप साधारण किरात नहीं हो सकते। आप अवश्य कोई देव हैं। कृपया अपना सही परिचय दें।" अर्जुन की विनय सुन भगवान शंकर साक्षात् प्रकट हो गए और बोले, "अर्जुन! तुम मेरी परीक्षा में सफल हुए। तुम वास्तव में बहुत वीर पुरुष हो। इतनी कठिनाई के बावजूद तुमने मुझे एक साधारण आदमी समझकर मुझ पर अपने दिव्यास्त्रों का प्रयोग नहीं किया।" मैं तुम्हें पशुपति नामक अमोघ दिव्यास्त्र प्रदान करता हूँ। इतना कहकर भगवान शंकर अंतर्धान/अंतर्ध्यान हो गए।

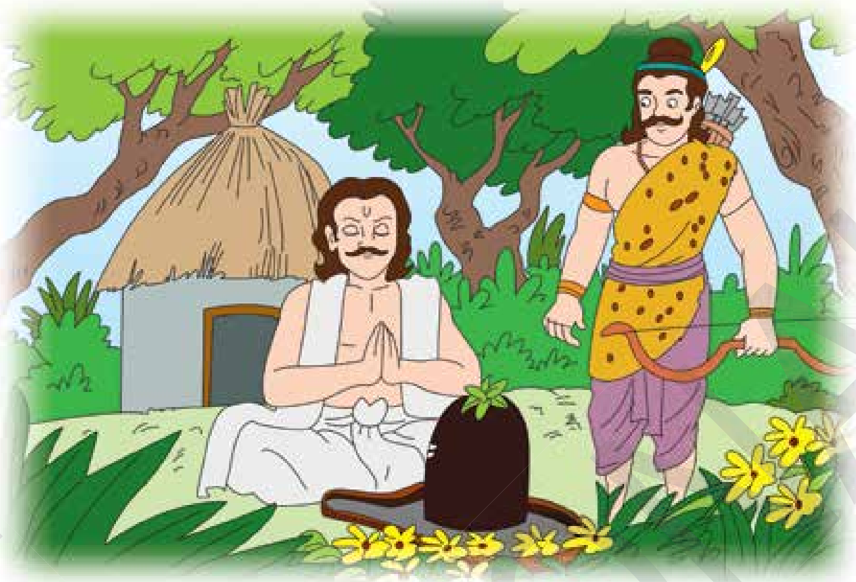

शब्दार्थ

भीषण	= भयानक	सर्वश्रेष्ठ	= सबसे अच्छा
दिव्यास्त्र	= देवताओं द्वारा प्रदत्त हथियार	आश्चर्य	= हैरानी
शूकर	= सूअर	धनुर्धर	= धनुष-बाण चलाने वाला
तपस्वी	= तप करने वाला	स्वयंमेव	= अपने आप
किरात	= शिकारी	साक्षात्	= बिल्कुल सामने प्रत्यक्ष
मृगचर्म	= हिरण का चमड़ा	अमोघ	= खतरनाक
पांडव	= पांडु के पाँच पुत्र (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव)		

उच्चारण करें

कृपया वास्तव साक्षात् साधारण दिव्याशस्त्रों भीषण परीक्षा

शिक्षण संकेत-

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ के माध्यम से यह बताएँ कि अनुशासन, परिश्रम, साहस, दृढ़ता एवं लगन से ही शक्ति को प्राप्त किया जा सकता है।

अभ्यास कार्य

ज़रा बताइए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) किरात का युद्ध किससे हुआ?

(ख) अर्जुन और किरात के बीच युद्ध किस जानवर के शिकार के कारण हुआ?

(ग) अर्जुन ने बाण युद्ध के बाद अन्य कौन-सा युद्ध किया?

(घ) अर्जुन आराधना कर क्या पाना चाहते थे?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) अर्जुन ने किरात से युद्ध क्यों किया?

(ख) भगवान शंकर किरात का रूप धारण कर अर्जुन की परीक्षा लेने क्यों पहुँचे?

(ग) किरात और अर्जुन के बीच किस बात पर विवाद उत्पन्न हुआ?

(घ) अर्जुन मन-ही-मन क्या सोच रहे थे?

3. किससे कहा और क्यों कहा? लिखिए।

(क) सावधान! तपस्वी यह मेरा शिकार है।

(ख) यह शिकार किसका है, इसका निर्णय अब युद्ध ही करेगा।

(ग) मैं तुम्हें पशुपति नामक अमोघ अस्त्र प्रदान करता हूँ।

4. दिए गए सही कथन पर (✓) अथवा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) अर्जुन का ध्यान ब्रहमास्त्र के कारण भंग हुआ। ☐

(ख) अर्जुन ने मल्ल युद्ध करना चाहा। ☐

(ग) जंगली किरात के रूप में भगवान शिव प्रकट हुए। ☐

(घ) अर्जुन ने किरात को युद्ध में हरा डाला। ☐

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. क्या अर्जुन सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे? यदि हाँ, तो कैसे? लिखिए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) तप करने वाला – ....

(ख) शिकार करने वाला – ....

(ग) भगवान में आस्था रखने वाला – ....

(घ) वन में जीवन बिताने वाला – ....

(ङ) श्रेष्ठों में भी श्रेष्ठ – ....

7. दिए गए शब्दों का समानार्थी शब्द लिखिए।

(क) शरीर – ....

(ख) अस्त्र – ....

(ग) जंगल – ....

(घ) शंकर – ....

8. दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) शक्तिशाली – .... + ...

(ख) मृगचर्म – .... + ...

(ग) दिव्यास्त्रों – .... + ...

(घ) स्वयंमेव – .... + ...

EDITONE INTERNATIONAL

9. **दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए।**

(क) यह तो बहुत शक्तिशाली है – ....

(ख) तुम सच में वीर हो। – ....

(ग) लंबा, चौड़ा शरीर और माथे पर जंगली फूलों की बेल – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

10. **महाभारत में अर्जुन के अलावा दूसरा कौन-सा धनुर्धर आपको प्रिय लगा और क्यों? लिखिए।**

11. **प्रस्तुत पाठ के युद्ध-वृतांत में यदि अर्जुन और एकलव्य होते तो दोनों में से कौन युद्ध जीतता? कक्षा में विचार करते हुए दोनों के मध्य युद्ध संवाद को लिखिए।**

अर्जुन – ....

एकलव्य – ....

अर्जुन – ....

एकलव्य – ....

अर्जुन – ....

एकलव्य – ....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

12. **अर्जुन किन-किन अस्त्र-शस्त्र को चलाना जानते थे? किन्ही पाँच के नाम लिखिए।**

....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Question

13. **युद्ध की स्थिति को टालना ही महानता की पहचान है। आप युद्ध की स्थिति को टालने हेतु क्या-क्या उपाय करना चाहेंगे?**

EDITONE INTERNATIONAL